राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 343 | जौनपुर | शनिवार, 02 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

एनएसयूआई ने एसएससी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज की निंदा की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने हाल ही में हुई परीक्षा अनियमितताओं को लेकर दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रदर्शन कर रहे एसएससी उम्मीदवारों पर कथित लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की है। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) भर्ती प्रक्रिया में पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और व्यापक कुप्रबंधन की जवाबदेही की मांग को लेकर एकत्रित हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब पुलिस कार्रवाई की गई, तब वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। 30 लाख की फिरौती मांगी एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने घायल छात्रों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए ध ारना स्थल का दौरा किया। चौध ारी ने कहा, ष्आज जो हुआ वह सिर्फ पुलिस की बर्बरता नहीं है यह न्याय की मांग कर रहे युवाओं को चुप कराने की मोदी सरकार की हताशा है। लाखों छात्र सालों से तैयारी करते हैं, केवल पेपर लीक, रद्द परीक्षाओं और कुप्रबंधन का सामना करने के लिए। इससे पहले, एनएसयूआई ने एसएससी को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें छात्रों की शिकायतों को उजागर किया गया, जैसे कि एसएससी चयन पद चरण 13 जैसी परीक्षाओं को बिना किसी कारण के रद्द करनाय तकनीकी खराबी के कारण सिस्टम क्रैश होना और गलत तरीके से परीक्षा केंद्र आवंटित करनाय छात्रों को बुनियादी सुविधाओं के बिना देर रात तक केंद्रों पर रोके रखने, कभी–कभी चिंता जताने पर दुर्व्यवहार का सामना करने, तथा परीक्षा परिणामों और शिकायत निवारण तंत्र दोनों में पारदर्शिता की कमी की खबरें सामने आई हैं।

आत्महत्याओं के बीच आईआईटी–डी ने छात्रों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली ने छात्रावासों में रहने वाले छात्रों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। संकटग्रस्त छात्रों की मदद के लिए संस्थान की प्रमुख पहल में छात्रावासों में क्यूआर कोड आध ारित सहायता प्रणाली की शुरुआत शामिल है। छात्रावास के प्रत्येक कमरे के दरवाजे पर लगे क्यूआर कोड छात्रों को परामर्शदाताओं की जानकारी और संपर्क विवरण तक तत्काल पहुँच प्रदान करते हैं, जिससे मानसिक स्वास्थ्य और सहायता सेवाओं का त्वरित और कुशल वितरण संभव होता है। यह कदम परिसर समुदाय को झकझोर देने वाली कई घटनाओं के बाद उठाया गया है। एक आरटीआई के अनुसार, आईआईटी–दिल्ली ने 2019–20 और 2023–24 के बीच छह छात्रों की आत्महत्या की सूचना दी है। हाल ही में एक मामले में, द्वितीय वर्ष का एक छात्र अपने छात्रावास के कमरे में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाया गया। 30 लाख की फिरौती मांगी पहले एक मजबूत सहायता तंत्र के अभाव में, छात्रों को मानसिक तनाव से निपटने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। इन समस्याओं के समाधान के लिए, आईआईटी–दिल्ली ने अपने परामर्श ढाँचे में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

52 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास : पीएम मोदी

वाराणसी, (एजेंसी)। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने गुरुवार को सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि दो अगस्त को प्रध ानमंत्री सेवापुरी के बनौली (कालिका धाम) में जनसभा को संबोधित करेंगे। वह करीब 2200 करोड़ रुपये की 52 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। जनसभा में 50 हजार लोगों को पहुंचाने के लक्ष्य पर सभी कार्यकर्ता काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री दालमंडी सड़क के चौड़ीकरण की आधारशिला रखेंगे। दिलीप पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह 51वां काशी दौरा होगा। वह सुबह 10रू25 बजे बजे लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरेंगे। इसके बाद पीएम हेलिकॉप्टर से सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के बनौली (कालिका धाम) पहुंचेंगे, जहां जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा स्थल पर बने 20 ब्लॉकों में प्रत्येक में एक इंचार्ज तथा 12–12 पदाधिकारियों की विशेष तैनाती की गई है। वीआईपी, महिलाएं, किसान, प्रबुद्धजन, मीडिया एवं दिव्यांगजनों के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था की गई है। लोकार्पण और शिलान्यास करने वाली प्रमुख योजनाओं में सेवापुरी में 50 बेड के नए सरकारी अस्पताल की आधारशिला (लगभग 5 करोड़ की लागत), संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के नवनिर्मित भवन का शिलान्यास, दालमंडी क्षेत्र का चौड़ीकरण, पुराने शहर में अंडरग्राउंड केबलिंग (द्वितीय चरण), स्मार्ट सिटी अंतर्गत पथप्रकाश, नाली–नाला एवं पेयजल सुधार, ग्रामीण सड़क एवं संपर्क मार्ग निर्माण तथा प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार शामिल हैं। प्रध ानमंत्री काशी से किसान सम्मान निधि योजना की अगली किस्त का भी जारी करेंगे। प्रधानमंत्री के स्वागत में वाराणसी नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर सजावट की जा रही है। 1000 से अधिक होर्डिंग्स, भाजपा के झंडे, स्वागत तोरण द्वार बनाए जा रहे हैं, प्रमुख स्थलों पर सजावटी कार्य अंतिम चरण में है। इसके अतिरिक्त 28 जुलाई से एक अगस्त तक विशेष स्वच्छता पखवाड़ा भी चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 150 से अधिक स्थलों की सफाई की जा चुकी है। इस मौके पर क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, जिलाध यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, सह मीडिया प्रभारी संतोष सोलापुरकर मौजूद रहे।

मुर्मू झारखंड में आईएसएम–धनबाद के 45वें दीक्षांत समारोह में होंगी शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को धनबाद में आईआईटी (भारतीय खनन विद्यालय) के 45वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। बृहस्पतिवार को मुर्मू ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) देवघर के प्रथम दीक्षांत समारोह में शिरकत की थी। अधिकारियों ने बताया कि धनबाद स्थित आईआईटी (आईएसएम) के दीक्षांत समारोह के दौरान मुर्मू कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में बीटेक स्नातक में शीर्ष रैंकिंग पाने वाले प्रियांशु शर्मा को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक प्रदान करेंगी। उन्होंने बताया कि 2024–25 बैच के कुल 1,880 छात्रों को विभिन्न विषयों में डिग्री प्रदान की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि समारोह के दौरान कुल 37 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, 35 को रजत पदक तथा 21 को प्रोत्साहन पदक एवं पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के अलावा राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भी मौजूद रहने की उम्मीद है। संस्थान की स्थापना नौ दिसंबर 1926 को हुई थी। इसे रॉयल स्कूल ऑफ माइंस, लंदन के तर्ज पर बनाया गया था।

मालेगांव केस में पात्रा का कांग्रेस पर वार, पूर्व अधिकारी का बड़ा दावा

मुबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) अधिकारी ने खुलासा किया कि उन्हें मालेगांव विस्फोट मामले के सिलसिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया था। भाजपा सांसद पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने एटीएस अधिकारी महबूब मुजावर को श भगवा आतंकवाद की कहानी को आगे बढ़ाने के लिए कहा था। 30 लाख की फिरौती मांगी यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए पात्रा ने कहा, मालेगांव विस्फोट मामले में दो नए घटनाक्रम हुए हैं, दोनों ही राजनीतिक हैं। पहला, मामले की जांच करने वाले एटीएस अधिकारी महबूब मुजावर द्वारा किया गया खुलासा। महबूब मुजावर विस्फोट मामले की जांच के लिए गठित जांच समिति का एक महत्वपूर्ण

हिस्सा थे। पात्रा ने कहा, उन्होंने खुलासा किया है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों और सरकार के वरिष्ठ नेताओं ने भगवा आतंकवाद की कहानी को आगे बढ़ाने और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ्तार करने के लिए उन पर बहुत दबाव डाला था। विवाद में चार लोगों पर हमला उन्होंने आरोप लगाया कि मुजावर की पदोन्नति इसलिए रोक दी गई क्योंकि उन्होंने भागवत को गिरफ्तार नहीं किया। उन्होंने कहा, ष मोहन भागवत का नाम चार्जशीट में नहीं था और न ही केस में कहीं था। संविधान का हवाला देते हुए महबूब मुजावर ने मोहन भागवत को गिरफ्तार करने से इनकार कर दिया । महबूब मुजावर पर उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने कुछ संगीन आरोप लगाए , जिसके चलते उनकी पदोन्नति रोक दी गई। बाद में अदालत ने उन्हें बरी कर दिया। आयोग ने तारीख तय करने का आदेश जारी किया पात्रा ने आरोप लगाया।

समझना ही नहीं, बोलना भी चाहिए : मोहन भागवत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत की सभी भाषाओं की जड़ संस्कृत है और अब समय आ गया है कि इसे संवाद की भाषा बनाया जाए। नागपुर के कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय में एक नए भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि संस्कृत को केवल समझना नहीं, बोलना भी आना चाहिए। भागवत ने आगे कहा कि संस्कृत विश्वविद्यालय को सरकार का सहयोग तो मिलेगा ही, लेकिन असली जरूरत जनसहयोग की है। उन्होंने माना कि उन्होंने स्वयं भी संस्कृत सीखी है, लेकिन धाराप्रवाह बोल नहीं पाते। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संस्कृत को हर घर तक पहुंचाना होगा और इसे संवाद का माध्यम बनाना पड़ेगा। आरएसएस प्रमुख ने यह भी कहा कि आज देश में आत्मनिर्भर बनने की भावना पर आम सहमति है, लेकिन इसके लिए हमें अपनी बौद्धिक क्षमता और ज्ञान को विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि भाषा केवल शब्दों का माध्यम नहीं, बल्कि श्भावश होती है और हमारी असली पहचान भी भाषा से ही जुड़ी होती है। मोहन भागवत ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और चेतना की वाहक है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति संस्कृत जानता है, वह भारत को गहराई से समझ सकता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि स्वत्व यानी आत्मबोध कोई भौतिक चीज नहीं, बल्कि यह हमारी वैचारिक और सांस्कृतिक पहचान है, और इसे व्यक्त करने के लिए भाषा का माध्यम जरूरी है। इस

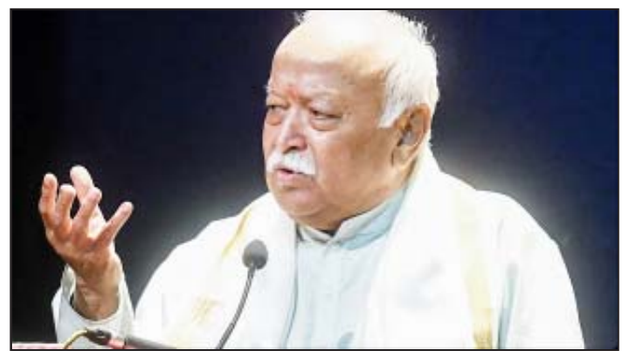

मौके पर मोहन भागवत ने कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय में श्अभिनव भारती अंतरराष्ट्रीय अकादमिक भवनश का उद्घाटन किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह संस्थान न केवल संस्कृत भाषा को जीवंत बनाए रखेगा, बल्कि इसे रोजमर्रा की बोलचाल की भाषा बनाने में भी अहम भूमिका निभाएगा। मोहन भागवत का यह संदेश सिर्फ एक भाषण नहीं, बल्कि एक आह्वान है कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा को पुनः जागृत करने के लिए संस्कृत को आम जीवन में अपनाना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझी जिम्मेदारी है।

सरकार ने शहर में विकास परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए सुधारों की घोषणा की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजध ानी में बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं में तेजी लाने और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को निर्माण संबंधी विकास कार्यों के क्रियान्वयन और वित्तपोषण में व्यापक सुधारों की घोषणा की। प्रमुख निर्णयों में सुव्यवस्थित भुगतान प्रक्रिया, अद्यतन लागत मानक और नए मुख्यमंत्री विकास कोष (सीएमडीएफ) के तहत 1,400 करोड़ रुपये का आवंटन शामिल है।30 लाख की फिरौती मांगी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ये सुधार शहर भर में रुके हुए या रुके हुए विकास कार्यों को पुनर्जीवित करने और कार्यान्वयन एजेंसियों और

ठेकेदारों पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। उन्होंने कहा, ष्जिस दिन से हमने कार्यभार संभाला है, हमारी प्राथमिकता विकास कार्यों को पुनर्जीवित करना और उनमें तेजी लाना रही है। हमारी समीक्षा के दौरान, यह स्पष्ट हुआ कि कुछ प्रक्रियात्मक बदलाव परियोजना क्रियान्वयन में उल्लेखनीय तेजी ला सकते हैं। ाषित प्रमुख उपायों में से एक सीएमडीएफ है, जिसका बजटीय प्रावधान 2025–26 के लिए 1,400 करोड़ रुपये है। इसके तहत, विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्रों में 10 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं का प्रस्ताव दे सकते हैं। योजना विभाग 50: धनराशि अग्रिम रूप से जारी करेगा, और शेष 50: परियोजना पूरी होने के बाद भुगतान किया जाएगा, जिससे त्वरित क्रियान्वयन और समय पर भुगतान सुनिश्चित होगा। विधायक निधि योजना को भी सुचारू वितरण सुनिश्चित करने के लिए नया रूप दिया गया है। अब, अनुमानित लागत का 10: परियोजना अनुमोदन चरण में जारी किया जाएगा, और दूसरी किस्त, जो पहली किस्त के साथ निविदा राशि का 50: होगी, आवश्यक दस्तावेज जमा करने पर जारी की जाएगी।

वह भाजपा विरोधी नहीं, बल्कि भारत विरोधी हैं : हिमंत बिस्वा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के श्बर्बाद अर्थव्यवस्थाश वाले बयान से सहमति जताने पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने तगड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि पिछले 7 दिनों ने राहुल गांधी को बुरी तरह बेनकाब कर दिया है। लोग अब समझ गए हैं कि वह भाजपा विरोध ी नहीं, बल्कि भारत विरोधी हैं। उन्होंने दावा किया कि जब प्रधानमंत्री मोदी हर काम शालीनता से कर रहे हैं, विभिन्न देशों से बात कर रहे हैं, तो राहुल गांधी देश को बदनाम कर रहे हैं। राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को सही ठहराते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रध ानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सिवाय सब जानते हैं कि भारत एक 'डेड इकोनॉमी' (बर्बाद अर्थव्यवस्था) है तथा प्रधानमंत्री ने

अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता डोनाल्ड ट्रंप की शर्तों पर होगा और प्रधानमंत्री मोदी वही करेंगे, जो अमेरिकी राष्ट्रपति कहेंगे। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत का शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा करने के कुछ घंटों बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत और रूस अपनी ''बर्बाद अर्थव्यवस्थाओं'' को एक साथ गर्त में ले जा सकते हैं और उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अमेरिकी राष्ट्रपति की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''वह सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के सिवाय हर कोई जानता है कि भारत की अर्थव्यवस्था 'बर्बाद अर्थव्यवस्था' है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने तथ्य सामने रखा है।''

अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर काल्पनिक दुनिया में है मोदी सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरी तरह तबाह कर दिया है लेकिन वह अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर काल्पनिक दुनिया में जी रही है। पार्टी महासचिव

जयराम रमेश ने यह आरोप उस वक्त लगाया जब एक दिन पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया था कि अर्थव्यवस्था बर्बाद हो चुकी है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' पिछले एक दशक में, मोदी सरकार द्वारा दिए गए गए पांच झटकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से तबाह कर दिया है। इसके लिए किसी और को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा, नोटबंदी ने हमारी विकास गति को पूरी तरह से बाधित कर दिया और करोड़ों भारतीय नागरिकों की आजीविका को तबाह कर दिया। रमेश ने यह दावा भी किया, एक बुनियादी रूप से दोषपूर्ण जीएसटी ने देश भर के हजारों व्यावसायिक उद्यमों पर कहर बरपाया है, सिवाय उन बड़ी कंपनियों के जो जीएसटी अनुपालन से जुड़ी लागत वहन कर सकती हैं। उनके मुताबिक, चीन से रिकॉर्ड आयात के कारण देश भर में लाखों एमएसएमई बंद हो गए हैं, अकेले गुजरात में स्टेनलेस स्टील उद्योग के लगभग एक तिहाई एमएसएमई ने अपना परिचालन बंद कर दिया है। उन्होंने कहा, निजी निवेश ने 2004–14 के दौरान दिखाई गई तेजी खो दी है। भारतीय उद्योगपति लगातार बढ़ रहे अनुपात में दूसरे देशों की नागरिकता ले रहे हैं। राजनीति से प्रेरित और जबरन वसूली करने वाले छापामार राज और मोदानी के बढ़ते प्रभाव ने भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास को कम किया है। कांग्रेस नेता का कहना है, पिछले दशक में सभी क्षेत्रों और वर्गों में अधिकतर भारतीय नागरिकों की मजदूरी स्थिर रही है। ग्रामीण भारत में यह विशेष रूप से सच है। घरेलू बचत में तेजी से गिरावट आई है, ठीक उसी तरह जैसे घरेलू कर्ज में भारी वृद्धि हुई है।

लोकतंत्र को कमजोर करने की बड़ी साजिश : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और उन पर भारत विरोधी भाषा का इस्तेमाल करने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। रिजिजू ने कहा कि विपक्ष के सदस्य भी गांधी की टिप्पणी की आलोचना कर रहे हैं, खासकर भारत को ष्बर्बाद अर्थव्यवस्थाष बताने की उनकी टिप्पणी की। रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी की भारत विरोधी भाषा का विपक्ष के कई प्रमुख लोग भी विरोध कर रहे हैं। वे यह भी कहते हैं कि आप भारत को बर्बाद अर्थव्यवस्था नहीं कह सकते। रिजिजू ने गांधी से अपनी भूमिका के अनुरूप जिम्मेदारी से काम करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि वह कोई छोटे बच्चे नहीं हैं। उन्हें विपक्ष के नेता की तरह व्यवहार करना चाहिए। रिजिजू ने विपक्ष पर जानबूझकर संसदीय कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाते हुए तर्क दिया कि इसका नुकसान अंततः विपक्षी सांसदों को ही हो रहा है। उन्होंने कहा, ष्विपक्ष सदन को चलने नहीं दे रहा है। सबसे ज्यादा नुकसान विपक्षी सांसदों को हो रहा है, जो जनता के मुद्दे नहीं उठा पा रहे हैं।ष उन्होंने आगे कहा कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के उपसभापति, दोनों ने स्पष्ट कर दिया है कि चर्चा संसदीय नियमों के दायरे में ही होनी चाहिए। मंत्री ने आरोप लगाया कि यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी संवैध ानिक संस्थाओं को धमका रहे हैं। यह लोकतंत्र को कमजोर करने की एक बड़ी साजिश है। यह बेहद खतरनाक व्यवहार और रवैया है। विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की कुत्सित योजना चला रहा है। यह लोकतंत्र पर हमला है... यहाँ तक कि विपक्षी दल के नेता भी राहुल गांधी का आंतरिक विरोध करने लगे हैं... लोग कहने लगे हैं कि राहुल एक गंदा खेल खेल रहे हैं और देश की छवि खराब करना चाहते हैं। यह तीखी टिप्पणी राहुल गांधी द्वारा भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर अपने हमले को तेज करने के कुछ ही दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने भाजपा को फायदा पहुँचाने के लिए मतदाता धोखाधड़ी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। मीडिया को संबोधित करते हुए,।

संपादकीय

भारत विरोधी सनक

अब तो साफ हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीय मेधा व भारत की तरक्की को अपने लिये खतरे के रूप में देख रहे हैं। दूसरे कार्यकाल में आये दिन भारत के खिलाफ उनके बयान दरअसल अमेरिका के असुरक्षाबोध को ही दर्शाते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत–पाक टकराव को खत्म करवाने के जिस तरह वे शेख चिल्ली दावे करते रहते हैं, वह उनका एक अपरिपक्व व अनुभवहीन राजनेता होना ही दर्शाते हैं। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के उनके थोथे दावों के बीच उन्होंने भारतीय आईटी प्रतिभाओं को दरकिनार करने की बात कही है। उनके तंग नजरिये से साफ हो गया है कि वे भारतीय प्रतिभाओं के उफान को अपने लिये एक चुनौती के रूप में देख रहे हैं। यह साफ है कि उनका लगातार बढ़ता प्रवासी विरोध आखिरकार अमेरिका को ही नुकसान पहुंचाएगा। एक बात तो तय है कि भारत लगातार ट्रंप के निशाने पर है। वे लगातार कहते रहे हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। यह भी कहते रहे हैं कि अमेरिकी टेक कंपनियों ने अपने फायदे के लिये चीन में फैक्ट्रियां लगाकर उसे समृद्ध किया। इन कंपनियों द्वारा भारतीयों को अवसर देना उन्हें रास नहीं आ रहा है। यही वजह है कि पिछले दिनों उन्होंने एप्पल को चेतावनी दी थी कि यदि उसने भारत में आईफोन का उत्पादन किया तो सजा के तौर पर उस पर पच्चीस फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। यह विडंबना ही है कि जिस वैश्वीकरण व उदारीकरण के नाम पर अमेरिका ने अपार संपदा जुटाई, उससे दूसरे देशों को फायदा पहुंचना उसे नागवार गुजर रहा है। यह कैसे संभव है कि हर सामान का उत्पादन अमेरिका में ही हो, और उस कंपनी में सिर्फ अमेरिकी ही कर्मचारी हों। निस्संदेह, प्रतिभा और कार्यकुशलता किसी एक देश का कॉपी राइट नहीं हो सकता। मौजूदा दौर की वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुक्त व्यापार के दौर में कोई देश अपनी अर्थव्यवस्था के दरवाजे दूसरों के लिये बंद करके समृद्ध नहीं हो सकता है। दरअसल, आज खुली अर्थव्यवस्था में मल्टीनेशनल कंपनियां अपना मुनाफा देखती हैं। उन्हें जहां सस्ता श्रम व प्राकृतिक संसाधन सुलभ होते हैं, वहीं उत्पादन इकाई लगाती हैं। ट्रंप को यह नहीं भूलना चाहिए कि आईटी के क्षेत्र व सिलिकॉन वैली में यदि समृद्धि की बयार बह रही है, उसमें भारतीयों का बड़ा योगदान है। आज यदि अमेरिका की बड़ी आईटी कंपनियों में भारतीय शीर्ष पदों पर हैं तो अपनी प्रतिभा के बूते ही हैं। एक शोध में खुलासा हुआ है कि सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक कर्मी भारतीय मूल के हैं। अपनी योग्यता के बूते दर्जनों टेक कंपनियों में भारतीय आईटी विशेषज्ञ ऊंचे ओहदों पर विराजमान हैं। निश्चित रूप से भारतीय टेक विशेषज्ञ अमेरिका आर्थिकी को गति देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की यह चेतावनी कि महत्वपूर्ण आईटी कंपनियां व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भारतीयों को महत्व न दें, उनकी संकुचित व प्रतिगामी सोच का ही पर्याय है। अब यदि कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बूते भारतीय अमेरिका में दूसरे नंबर के समृद्ध प्रवासी हैं, तो उसके मूल में उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा है। जिसका कोई दूसरा विकल्प नहीं हो सकता। यह रोचक तथ्य है कि अमेरिकी आबादी का डेढ़ प्रतिशत होने के बावजूद भारतीय प्रवासी छह फीसदी आयकर देते हैं।

कानून को लैंगिक भेदभाव से मुक्त करने की पहल

सुभम

उच्चतम न्यायालय ने 498ए के दुरुपयोग पर रोक लगाने हेतु दो महीने की शांति अवधि तय की है, जिसमें परिवार कल्याण समिति समझौते का प्रयास कर विवाद सुलझाएगी, गिरफ्तारी नहीं होगी। हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया। इसमें कहा गया कि 498ए के अंतर्गत शिकायत के आधार पर दो महीने तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। इस दो महीने को शांति काल कहा गया है। इस दौरान पूरा मामला परिवार कल्याण समिति के पास जाएगा। कमेटी पूरे मामले

को सुनेगी। परिवार में समझौता कराने का भी प्रयास करेगी। न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा जारी गाइड लाइंस पर भी सहमति जताई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 498ए के दुरुपयोग को रोकने के लिए परिवार कल्याण समितियों को बनाने के दिशा–निर्देश जारी किए थे। इन्हें सम्बंधित अधिकारियों द्वारा लागू किया जाएगा। अब इसी आधार पर परिवार कल्याण समितियां दो महीने तक पति–पत्नी से बातचीत करेंगी और मसले को सुलझाने के प्रयास किए जाएंगे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक पुलिस अधिकारी की दहेज प्रताड़ना के खिलाफ शिकायत पर यह फैसला दिया था। इस मामले में महिला के ससुर और पति को लम्बे समय तक जेल में रहना पड़ा था। जब कि उनके खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं हुए थे। अदालत ने उक्त महिला पुलिस अधिकारी से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने को भी कहा था। अब इस अधिकारी ने कई अखबारों में माफीनामा छपवाया है। अरसे से इस धारा के भारी पैमाने पर दुरुपयोग की खबरें आती रही हैं। कुछ साल पहले सेव इंडियन फैमिली संस्था ने दहेज निरोधी धारा 498 ए पर एक सर्वे किया था। पता चला कि इस धारा के कारण हर इक्कीसवें मिनट पर एक महिला पकड़ी जा रही है। कारण बताया गया कि अकसर ससुराल से सम्बंधित दूर–दराज की स्त्रियों, तक के नाम अपराधियों के रूप में लिखवा दिए जाते हैं। जैसे ही किसी पर आरोप लगते हैं, उन्हें पकड़ लिया जाता है। दूसरे पक्ष की कोई सुनवाई भी नहीं होती। एक बार उच्चतम न्यायालय के एक वरिष्ठ न्यायाधीश महोदय ने इस धारा को लीगल टैररिज्म या कानूनी आतंकवाद भी कहा था। जो कानून स्त्रियों को न्याय देने के लिए बना था, वह उन्हें ही सताने लगा। 498डाट ओआरजी पर ऐसी घटनाएं पढ़कर परेशान हुआ जा सकता है। इस संस्था ने ऐसी सौ कहानियां बताई थीं, जहां पत्नियों की शिकायत पर पति और उनके परिवारों को पकड़ लिया गया। उन्हें वर्षों तक तरह–तरह की कठिनाइयां झेलनी पड़ीं। इन कहानियों में सिर्फ भारतीय ही नहीं अमेरिका, ब्रिटेन, आयरलैंड, आस्ट्रेलिया, कनाडा, इंडोनेशिया, अबूधाबी आदि देशों में रहने वाले भारतीय भी शामिल हैं। कई बार तो जो लोग मौके पर उपस्थित नहीं होते, उन्हें भी आरोपी बना दिया जाता है। इस संस्था के लोगों का कहना है कि बहुत बार स्त्रियां अपनी मांगें पूरी न होने पर, विवाह के न चल पाने पर, विवाहेत्तर सम्बंधों, जमीन–जायदाद के मामलों में ऐसे आरोप लगा देती हैं। अनेक मामलों में लोगों की नौकरियां चली जाती हैं, उनके माता–पिता का निधन हो जाता है, सारी प्रतिष्ठा धूमिल हो जाती है, लेकिन कानून की इस आफत से वे नहीं छूटते। इस लेखिका को सालों पहले एक फौजी ने उत्तराखंड की जेल से एक पत्र लिखा था। जिसमें बताया था कि वह मोर्चे पर तैनात था। उसकी पत्नी की अपने ससुराल वालों से नहीं बनती थी, इसलिए वह अपने मायके में थी। यह फौजी छुट्टी लेकर, उससे मिलने गया। वहां पत्नी ने उसके और उसके परिवार के खिलाफ दहेज और घरेलू हिंसा के मामले में शिकायत कर दी। उसने लिखा था कि ऐसा कभी नहीं हुआ था। शादी में दहेज तो क्या, एक रुपया भी नहीं लिया गया था, लेकिन पत्नी परिवार के साथ न रहकर अलग रहना चाहती थी। उसकी शिकायत के आधार पर इस व्यक्ति को पकड़ लिया गया। उसने अफसोस के साथ लिखा– अब मैं जेल में हूं। किसी कानून के बारे में जानता भी नहीं। मुझे और मेरे माता–पिता को बिना किसी कारण सजा मिली है। मेरी पत्नी किसी और के साथ रहती है। वह कहती है कि उसे हम सबसे बदला लेना है। समझ में नहीं आता कि क्या करूं। बंगलुरु के इंजीनियर अतुल सुभाष का मसला तो आपको याद ही होगा। उन्होंने वीडियो बनाकर सारी बातें कही थीं और आत्महत्या कर ली थी। अतुल का कहना था कि वे प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करते हैं। इतनी छुट्टियां नहीं मिलतीं लेकिन बार–बार कोर्ट की तारीख पर उन्हें जाना पड़ता है। कहा कि आत्महत्या के लिए न केवल पत्नी बल्कि उसकी मां भी जिम्मेदार है। उस दौर में ऐसे कई और मामले भी सामने आए थे। अफसोस है कि इन दिनों लड़कियों के घर वाले भी उन्हें समझाते नहीं हैं। किसी रिश्ते को निभाने के मुकाबले उसे तोड़ना ज्यादा आसान मान लिया गया है। तमाम सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, नेताओं को ऐसे पत्र मिलते रहते हैं, मगर वे चाहकर भी कुछ नहीं कर पाते। इसीलिए मांग की जाती है कि स्त्री सम्बंधी कानूनों को लैंगिक भेदभाव से मुक्त होना चाहिए, जिससे कि जो भी सताया गया है, चाहे स्त्री या पुरुष, उसे न्याय मिले। कानून का काम किसी एक पक्ष में झुकना न होकर, सभी को न्याय देना है। ऐसे कानून किसी को न्याय देने के मुकाबले परेशान करने लगें, तो उन्हें बदला ही जाना चाहिए। यहां जब यह लेख लिखा जा रहा है तो इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि स्त्रियों को इस देश में कोई समस्या ही नहीं है। बिल्कुल हैं और बहुत हैं। उन्हें तरह–तरह से सताया भी जाता है। इसलिए उन्हें हर हाल में न्याय मिलना चाहिए, लेकिन न्याय के नाम पर किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। कानून का काम मात्र कहने भर और आरोप लगाने से सजा भर देना नहीं है। इसके अलावा तमाम माध्यमों ने भी चाहे वे फिल्में हों, धारावाहिक हों, ओटीटी प्लेटफार्मस हों उन्होंने भी सम्बंध निभाने वाली स्त्री की छवि कुछ इस तरह से गढ़ी है कि वह बहुत दब्बू होती है। वह अपनी मर्जी का जीवन, अपनी शर्तों पर नहीं जी सकती। अकेली स्त्री का जीवन कितना सुख पूर्ण है। जब कि यह सिर्फ एक तरह के सोच को दिखाना है। कोई स्त्री या पुरुष इस संसार में अकेला नहीं रह सकता। उसे परिवार, मित्रों, अड़ोसियों–पड़ोसियों का संग चाहिए।

दर्पण दिखाता है लोकतांत्रिक मूल्यों का सृजन

मुंशी प्रेमचंद (साल 1880द्1936) हिंदी साहित्य के उन महान साहित्यकारों में से हैं, जिन्होंने हिंदी कथा साहित्य की नींव को सशक्त किया व उसे समाज सुधार और यथार्थ की ओर भी मोड़ा। उन्होंने रचनाओं के माध्यम से सामाजिक चेतना, मानवीय संवेदना और यथार्थ की सजीव तस्वीरें प्रस्तुत कीं जो समाज के हाशिए पर खड़े वर्ग को आवाज देती हैं। उनकी अनुभूति का प्रस्फुटन, उनके जन्म स्थान गांव लहमी, शहर बनारस व उत्तर भारत में तत्कालीन समय में घटित घटनाओं से ही है। प्रेमचंद का साहित्य तत्कालीन भारत की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और आर्थिक परिस्थितियों का दर्पण व परिवर्तन की चेतना का प्रेरक था। उन्होंने अपने उपन्यासों, कहानियों, लेखों और निबंधों में शोषित, वंचित, स्त्री, किसान, मजदूर और गरीब वर्ग की दशा और व्यथा को गहनता से उकेरा। प्रेमचंद के विचार आदर्शवाद और यथार्थवाद के सन्तुलन पर आधारित थे। उन्होंने जातिवाद, छुआछूत, अंधविश्वास, नारी उत्पीड़न, भ्रष्टाचार, गरीबी और शोषण जैसी समस्याओं को उजागर कर न केवल साहित्यिक क्षेत्र में क्रांति की, बल्कि सामाजिक जागरण की भी भूमिका निभाई। प्रेमचंद का साहित्य समाज को दिशा देने में सक्षम है। आज भी जब किसान आंदोलित हैं, महिला अधिकारों को लेकर संघर्ष हो रहा है, सामाजिक न्याय आंदोलन चल रहे हैं, कट्टरता और असहिष्णुता चरम पर है, तब प्रेमचंद का साहित्य हमें संवाद, समरसता और करुणा की ओर लौटने का आह्वान करता है। उनकी 'गोदान' जैसी रचना ग्रामीण भारत के उस शोषण चक्र को उजागर करती है जो जमींदारी से निकलकर अब बाजारवाद के रूप में सामने आया है। 'सेवासदन' जैसी रचना आज के स्त्री–विमर्श की बहस में प्रासंगिक है। प्रेमचंद साहित्य को समाज का अंग व सामाजिक परिवर्तन का माध्यम मानते थे वहीं लेखक के नैतिक उत्तरदायित्व के रूप में देखते थे। प्रेमचंद का साहित्य समय का दर्पण है व समाज का मार्गदर्शक भी। उनकी लेखनी एक जीवंत चेतना है जो आज भी प्रश्न पूछती है, उत्तर मांगती है और समाज को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करती है। प्रेमचंद का साहित्य सामाजिक विषमता के विरुद्ध संघर्ष का साहित्य है। उन्होंने जात–पात, छुआछूत, अमीरी–गरीबी और वर्ग–भेद जैसी समस्याओं को रेखांकित किया व इनके विरुद्ध चेतना जगाने का कार्य किया। 'गोदान' का होरी, 'कर्मभूमि' का अमरकांत और 'प्रेमाश्रम' के पात्र प्रेमचंद की सामाजिक दृष्टि के जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने अपने पात्रों के माध्यम से स्थापित किया कि समाज तब तक प्रगति नहीं कर सकता जब तक उसमें समान अधिकार, सम्मान और अवसर न हों। वर्तमान में जब वंचित वर्ग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैंय सामाजिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों के न्यायपूर्ण वितरण की मांग बढ़ रही है, तब प्रेमचंद का साहित्य सामाजिक न्याय की ओर लौटने की प्रेरणा देता है। प्रेमचंद ने भारतीय ग्रामीण जीवन और किसान की दशा को जिस यथार्थ के साथ अपने उपन्यासों में उकेरा, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। 'गोदान' के होरी की व्यथा आज के किसान की भी कहानी है। उस समय का किसान जमींदारी, कर्ज और सामाजिक शोषण का शिकार था, तो आज का किसान आधुनिक पूंजीवादी व्यवस्था, वैश्विक बाजार और सरकारी नीतियों के दोहरेपन से जूझ रहा है। प्रेमचंद किसान व श्रमिक को समाज की रीढ़ व परिवर्तन के वाहक मानते हैं। प्रेमचंद ने रूढ़िवादी सोच को चुनौती देते हुए स्त्रियों को साहित्य में नई पहचान दी। उन्हें दया की पात्र नहीं, बल्कि समाज की निर्माता, नैतिक नेतृत्व की वाहक और परिवर्तन की शक्ति के रूप में चित्रित किया। 'सेवा सदन' की सुमित्रा, 'निर्मला' की पीड़िता और अन्य अनेक पात्र, नारी जीवन के यथार्थ को अभिव्यक्त करते हैं।

..... विविध .....

एंटीबायोटिक का बार-बार इस्तेमाल इम्यूनिटी के लिए हो सकता है खतरनाक

बार–बार एंटीबायोटिक दवाएं लेने से हमारे शरीर की प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता, यानी इम्युनिटी, पर बुरा असर पड़ता है। एंटीबायोटिक्स का मूल काम बैक्टीरिया को मारना होता है। लेकिन ये सिर्फ हानिकारक बैक्टीरिया को ही नहीं मारतीं बल्कि हमारे शरीर में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को भी खत्म कर देती हैं। यह अच्छे बैक्टीरिया हमारे पाचन तंत्र और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए रखते हैं। इसलिए जब ये अच्छे बैक्टीरिया मर जाते हैं, तो हमारी इम्युनिटी कमजोर हो जाती है और हमारा स्वास्थ्य प्रभावित होता है।

डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक न लें

डॉक्टर्स हमेशा सलाह देते हैं कि एंटीबायोटिक का सेवन तभी करें जब डॉक्टर उन्हें प्रिस्क्राइब करें। कई बार लोग बिना किसी जानकारी के या खुद के निर्णय से एंटीबायोटिक दवाएं लेने लगते हैं, जो खतरनाक हो सकता है। अधिकतर वायरल संक्रमणों जैसे कि सर्दी, जुकाम या फ्लू में एंटीबायोटिक दवाओं की जरूरत नहीं होती, क्योंकि ये दवाएं वायरस पर असर नहीं करतीं। फिर भी कई लोग बिना डॉक्टर की सलाह के ये दवाएं ले लेते हैं जिससे उनकी इम्यूनिटी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

बार–बार एंटीबायोटिक लेने से क्या होता है?

जब हम बार–बार एंटीबायोटिक लेते हैं, तो शरीर में बैक्टीरिया के खिलाफ लड़ने की क्षमता धीरे–धीरे कम होने लगती है। इसे कहते हैं एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस इसका मतलब है कि जब हमें सच में जरूरत पड़े तब ये दवाएं काम नहीं करेंगी। इससे संक्रमण और भी गंभीर हो सकता है और इलाज मुश्किल हो जाता है।

एंटीबायोटिक क्या करती हैं?

एंटीबायोटिक दवाएं शरीर में मौजूद बैक्टीरिया को मारने या उनकी संख्या को नियंत्रित करने के लिए दी जाती हैं। यह दवाएं सिर्फ बैक्टीरियल संक्रमण में ही असर करती हैं। वायरल संक्रमण जैसे सर्दी–जुकाम, फ्लू में इन दवाओं का कोई फायदा नहीं होता। कई बार लोग जानकारी न होने के कारण वायरल बीमारी में भी एंटीबायोटिक ले लेते हैं जिससे गुड बैक्टीरिया भी मर जाते हैं और इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है।

एंटीबायोटिक के साइड इफेक्ट्स

अधिक मात्रा में या बार–बार एंटीबायोटिक लेने के कारण कई साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं जैसेरू

दस्त (डायरिया)

त्वचा पर एलर्जी या रैशेज

पेट दर्द

फंगल संक्रमण

शरीर में सूजन

कमजोरी

लंबे समय तक ऐसा करने से इम्युनिटी बहुत कमजोर हो जाती है और छोटी–छोटी बीमारियां भी गंभीर रूप ले सकती हैं।

सावधानी के लिए क्या करें?

एंटीबायोटिक दवा केवल डॉक्टर की सलाह से लें। वायरल बुखार, हल्की सर्दी–जुकाम में खुद से एंटीबायोटिक न लें। अपनी इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए प्राकृतिक उपाय अपनाएं जैसे विटामिन C, तुलसी, अदरक, हल्दी और नींबू का सेवन। स्वस्थ भोजन करें, अच्छी नींद लें और नियमित व्यायाम करें।

एंटीबायोटिक दवाएं जरूरी होती हैं, लेकिन केवल तब लें जब सच में जरूरत हो। बार–बार इनका सेवन आपकी इम्यूनिटी को खतरे में डाल सकता है और शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका इम्यून सिस्टम मजबूत बना रहे, तो अपने खान–पान और जीवनशैली पर ध्यान दें और दवाओं का इस्तेमाल सोच–समझकर करें।

हमेशा लगाकर रखती हैं नेल पेंट

महिलाएं और लड़कियां अपनी खूबसूरती को निखारने के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। बालों की देखभाल हो, स्किन का ख्याल रखना हो या फिर नाखूनों को सुंदर बनाना हो हर चीज में ध्यान देती हैं। इन्हीं में से एक है नेल पॉलिश, जिसे हम आमतौर पर नेल पेंट भी कहते हैं। लगभग हर लड़की को रंग–बिरंगे नेल पेंट लगाना पसंद होता है। इससे नाखून सुंदर और स्टाइलिश लगते हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि नेल पेंट का ज्यादा इस्तेमाल आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है? अगर आप भी हमेशा नेल पेंट लगाए रखती हैं तो यह जानना जरूरी है कि इसके लगातार इस्तेमाल से आपके शरीर को क्या–क्या नुकसान हो सकते हैं। आइए विस्तार से जानते हैं...

नर्व सिस्टम को नुकसान

नेल पॉलिश में एक खतरनाक रसायन पाया जाता है जिसका नाम है टॉल्यूइन यह रसायन नाखूनों से होकर हमारे शरीर के अंदर प्रवेश कर जाता है और धीरे–धीरे शरीर की कोशिकाओं में फैल सकता है। जब यह रसायन हमारे शरीर की कोशिकाओं के संपर्क में आता है, तो यह नर्व सिस्टम (तंत्रिका तंत्र) पर असर डाल सकता है। इसके कारण सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

नाखूनों की प्राकृतिक चमक खत्म हो जाती है

अगर आप हर समय नेल पॉलिश लगाए रखती हैं और बिना ब्रेक के इसका इस्तेमाल करती हैं, तो इससे आपके नाखून कमजोर होने लगते हैं। नेल पेंट में मौजूद रसायन नाखूनों की प्राकृतिक नमी और चमक को खत्म कर सकते हैं। इसके अलावा, जब आप बार–बार नेल पॉलिश उतारती और फिर से लगाती हैं, तो इससे नाखूनों की सतह पर डैमेज हो सकता है, जिससे वो धीरे–धीरे टूटने लगते हैं।

इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है

हमेशा नेल पेंट लगाए रखने से नाखूनों को सांस नहीं मिलती, जिससे उनमें फंगल या बैक्टीरियल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। खासकर जब आप नेल पेंट को ठीक से हटाए बिना बार–बार नई परत चढ़ा देती हैं, तो नाखूनों के अंदर नमी और गंदगी फंस सकती है, जिससे संक्रमण हो सकता है।

फेफड़ों पर असर डाल सकता है

नेल पेंट में इस्तेमाल होने वाले रसायनों में एक होता है स्पिरिट। यह एक प्रकार का तेज और हानिकारक केमिकल होता है जिसकी महक बहुत तीखी होती है। जब हम नेल पेंट लगाते हैं या उतारते हैं, तो इसके धुएं को हम अनजाने में सांसों के जरिए अंदर ले लेते हैं, जिससे हमारे फेफड़ों पर बुरा असर पड़ सकता है। लंबे समय तक संपर्क में आने पर ये धुएं सांस की दिक्कत, फेफड़ों में जलन, और यहां तक कि गंभीर एलर्जी का कारण भी बन सकते हैं।

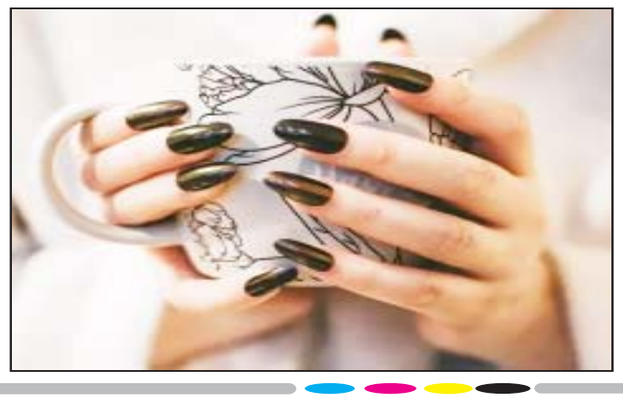

बिना डांट-फटकार के बच्चा सीखेगा डिसिप्लिन, बस अपनाएं ये आसान तरीके

पेरेंटिंग यानी माता–पिता बनना, एक जिम्मेदारी से भरा सफर होता है। इसमें बच्चों की अच्छी परवरिश करना सबसे अहम और चुनौतीपूर्ण काम होता है। अक्सर माता–पिता यह सोचते हैं कि बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए डांटना या सजा देना जरूरी होता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बार–बार डांटने से बच्चे के मन और व्यवहार पर क्या असर पड़ता है? आजकल की रिसर्च और चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट कहते हैं कि लगातार डांटने या सजा देने से बच्चे का आत्मविश्वास टूट सकता है। बच्चा या तो डरपोक हो सकता है या फिर और ज्यादा जिद्दी और चिड़चिड़ा बन सकता है। ऐसे में जरूरत है कि हम कुछ स्मार्ट, पॉजिटिव और प्रभावी तरीके अपनाएं जिससे बच्चा डर के बिना अनुशासन सीख सके।

बच्चे की पूरी बात ध्यान से सुनें और समझें

अक्सर माता–पिता जल्दी में होते हैं और बच्चों की बात पूरी सुने बिना ही उन्हें डांट देते हैं। जब बच्चा महसूस करता है कि उसकी कोई बात नहीं सुनी जा रही तो वो चिड़चिड़ा और जिद्दी बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि जब बच्चा कुछ कहे तो आप धैर्य से उसकी बात सुनें, उसे समझें और प्यार से समझाएं। जब बच्चा देखता है कि आप उसकी बात को समझते हैं तो वो आपकी बात भी सुनता है और आप पर भरोसा करता है।

प्यार से सीमाएं तय करें

कई माता–पिता बच्चों को बाहरी दुनिया से बचाने के लिए उन्हें हर चीज से रोकते हैं जैसे बाहर खेलने से, लोगों से मिलने से या कोई नई चीज आजमाने से। गलती करने पर तुरंत डांटना या सजा देना, बच्चों को और ज्यादा डरपोक या झूठ बोलने वाला बना सकता है। इसके बजाय, बच्चों को प्यार से बताएं कि क्या सही है और क्या गलत, और क्यों कोई चीज उन्हें नहीं करनी चाहिए। जब बच्चा आपकी बात को समझता है तो वो खुद ही गलतियों से बचने की कोशिश करता है और ईमानदार बनता है।

जैसा व्यवहार आप दिखाएंगे, बच्चा वही सीखेगा

बच्चे अपने माता–पिता को देखकर ही सीखते हैं। अगर आप खुद समय पर सोते हैं, समय पर खाते हैं, शांत स्वभाव से बात करते हैं और जिम्मेदार रहते हैं तो बच्चा भी वही व्यवहार अपनाएगा। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि बच्चा अनुशासित बने तो सबसे पहले खुद अनुशासित बनें। बच्चा आपकी हर हरकत को देखता है और उसी को जीवन में दोहराता है।

डांटने के बजाय अपनाएं 'रिवार्ड सिस्टम'

बच्चों को प्रोत्साहन की जरूरत होती है। जब बच्चा कोई अच्छा काम करता है जैसे समय पर होमवर्क करना, गंदगी न फैलाना या भाई–बहनों से अच्छे से पेश आना तो उसकी सराहना करें। उसे शाबाशी दें या कोई छोटा–सा इनाम दें, जैसे,"आज तुमने अपना होमवर्क समय पर किया, चलो अब तुम्हारे लिए स्पेशल कुछ बनाते हैं।" इस तरह के पॉजिटिव रिवॉर्ड से बच्चा मोटिवेट होता है और वो बार–बार अच्छी आदतें अपनाने की कोशिश करता है।

डांटना नहीं, दिशा देना जरूरी है

बच्चे गलती से सीखते हैं। अगर वो कुछ गलत कर भी दें तो उन्हें गुस्से से नहीं बल्कि शांत दिमाग और सही शब्दों से समझाएं। बच्चों को सही–गलत की पहचान तब होती है जब आप उन्हें समझदारी से दिशा दिखाते हैं, न कि उन्हें डराकर। बच्चों को अनुशासन सिखाने का मतलब उन्हें डराना या दबाना नहीं है। बल्कि उन्हें ऐसा माहौल देना है जहां वे सुरक्षित महसूस करें, समझ सकें और सीख सकें।

उत्तर प्रदेश में शिक्षा, पर्यटन, पशुपालन और सामाजिक कल्याण योजनाओं से बदलेगा जनजीवन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाएं अब केवल कागजों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने लगी हैं। 31 जुलाई को विभिन्न विभागों की ओर से दी गई अद्यतन जानकारियों से स्पष्ट होता है कि शिक्षा, पर्यटन, पशुपालन और सामाजिक कल्याण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में योजनाओं का क्रियान्वयन तेज गति से हो रहा है और इनके परिणाम भी अब धरातल पर दिखाई देने लगे हैं।शिक्षा के क्षेत्र में सरकार का फोकस नवाचार और गुणवत्तापरक अधोसंरचना पर है। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि प्राथमिक विद्यालयों के पेयरिंग की प्रक्रिया को लेकर व्याप्त भ्रांतियां निराधार हैं। यह विद्यालयों को बंद करने की योजना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संसाधनों और शैक्षणिक गुणवत्ता के अधिकतम उपयोग की एक सुविचारित प्रक्रिया है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन कायाकल्प के तहत प्रदेश के 96 प्रतिशत से अधिक विद्यालयों को आवश्यक अवस्थापना सुविधाएं प्रदान की जा चुकी हैं। वहीं 1.26 लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति के साथ ही मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय और पीएम श्री योजना के तहत अत्याधुनिक स्कूलों की स्थापना की जा रही है, जो राज्य के बच्चों को वैश्विक स्तर की शिक्षा देने में सक्षम होंगे।पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन के क्षेत्र में भी सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट, लखनऊ में बीबीए (टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी) पाठ्यक्रम में प्रवेश की तिथि 31 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। यह पाठ्यक्रम प्रदेश के युवाओं को पर्यटन उद्योग के लिए प्रशिक्षित करता है और उन्हें स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक रोजगार के अवसर प्रदान करता है। पूरी प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन है, जिससे छात्रों को पारदर्शी और सुगम प्रणाली के माध्यम से आवेदन करने का अवसर मिल रहा है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने इसे प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम बताया है।पशुपालन विभाग ने गो–सेवा और पशुधन संरक्षण के क्षेत्र में ठोस पहल करते हुए सात जनपदों में 14 नए अस्थायी गो–आश्रय स्थलों के निर्माण के लिए 11.21 करोड़ रुपये की द्वितीय किश्त जारी की है। इसके साथ ही पशुरोग निदान प्रयोगशालाओं के संचालन हेतु 77.01 लाख रुपये की धनराशि भी स्वीकृत की गई है।

स्कूलों की बंदी पर योगी सरकार के रुख में बदलाव को आप ने बताया बच्चों की आंशिक जीत

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों के विलय और बंदी के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) के लंबे संघर्ष को एक आंशिक सफलता मिली है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि योगी सरकार ने दबाव में आकर अपने फैसले में कुछ बदलाव किए हैं, जिससे कई स्कूल अब बंद होने से बच जाएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभी भी बड़ी संख्या में स्कूलों को बंद करने की योजना बनी हुई है और इस फैसले के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी।संजय सिंह ने कहा कि यह आंशिक जीत बच्चों, उनके अभिभावकों और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं की है, जिन्होंने लगातार सड़कों पर उतरकर आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के स्कूल अब बंद नहीं होंगे, उनके माता–पिता को मैं दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। यह संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। प्रदेश में सभी बच्चों के स्कूल बचाने के लिए आगामी 2 अगस्त को लखनऊ में श्स्कूल बचाओ आंदोलनश आयोजित किया जाएगा।आप सांसद ने सरकार के स्कूल विलय फैसले को खतरनाक करार देते हुए कहा कि वह खुद ऐसे कई गांवों में गए, जहां स्कूलों को तीन–तीन किलोमीटर दूर शिफ्ट कर दिया गया था। इन रास्तों में बच्चों को जंगली जानवरों और असुरक्षित

रास्तों से गुजरना पड़ता, जो उनके भविष्य के लिए बेहद चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट तक गुहार लगाई और गांव–गांव जाकर पदयात्राएं कीं।उन्होंने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या कम होने की वजह बच्चों या उनके अभिभावकों की गलती नहीं, बल्कि सरकार की शिक्षा नीति और इच्छाशक्ति की कमी है। यदि स्कूलों में मिड डे मील, बिजली, साफ–सुथरे शौचालय, पीने का पानी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलती, तो कोई भी बच्चा स्कूल छोड़ने को मजबूर न होता।संजय सिंह ने दो टूक कहा कि आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश में चाहती है कि नए और अच्छे सरकारी स्कूल खोले जाएं, स्कूलों की सुविधाएं बढ़ाई जाएं, न कि उन्हें विलय या बंद करने जैसे फैसले लिए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार के आंशिक बैकफुट पर आने का श्रेय उन बच्चों, उनके अभिभावकों और स्थानीय लोगों को जाता है,।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस और गो–तस्करों के बीच मुठभेड़, पैर में गोली लगने से दो तस्कर घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सुल्तानपुर में शुक्रवार की तड़के पुलिस और गो–तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पैर में गोली लगने दो तस्कर घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों समेत तीन को गिरफ्तार कर लिया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के मझगवां गांव के पास हुई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ तस्कर मवेशियों की तस्करी की योजना बना रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखकर तस्करों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से दो तस्कर घायल हो गए। घायलों की पहचान नावेद और साहिल के रूप में हुई। दोनों को सीएचसी, कादीपुर में भर्ती कराया गया है। मौके से तीसरे तस्कर सुशील उपाध्याय को भी पकड़ा गया है। नावेद और साहिल मुजफ्फरनगर के निवासी हैं। जबकि, सुशील उपाध्याय कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के बीरी हाजीपुर गांव का रहने वाला है। एएसपी अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ गो–तस्करी सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जा रही है।

36 रेलकर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल के डीआरएम कार्यालय में बृहस्पतिवार को मण्डल वित्त प्रबंधक उमेश कुमार की उपस्थिति में सेवानिवृत्त रेलकर्मियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। सहायक मण्डल कार्मिक अधिकारी प्रमोद कुमार भारती की ओर से 36 रेलकर्मियों को रिटायर होने पर भुगतान के रूप में समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवानिवृत्ति प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। डीआरएम गौरव अग्रवाल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी रेलवे के प्रति समर्पण, निष्ठा एवं अतुलनीय योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। सेवानिवृत्त रेलकर्मियों की दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिना चीरा लगाए खत्म कर दी गले में पनपी गांठ

लखनऊ, (संवाददाता)। गले में पनपी गांठ को लोहिया संस्थान के डॉक्टरों ने विशेष सुई के जरिये वेबस हीट देकर खत्म कर दिया। संस्थान में पहली बार माइक्रोवेव एब्लेशन तकनीक से थायराइड ग्रंथि में पनपी गांठ का इलाज किया गया। इसमें मरीज के गले में चीरा तक नहीं लगाना पड़ा। गोरखपुर निवासी 32 वर्षीय युवती के गले में गांठ बन गई थी। इससे उन्हें गले में दर्द व भोजन निगलने समेत कई परेशानियां हो रही थीं। परिवारीजन उन्हें लोहिया संस्थान लेकर आए। यहां इंडोक्राइन सर्जरी विभाग में डॉ. सारा इदरीस ने गले का अल्ट्रासाउंड व अन्य जांचें करवाईं। इसमें गले में स्थित थायराइड ग्रंथि में तीन सेमी से ज्यादा बड़ी गांठ की पुष्टि हुई। यह कैंसर से प्रभावित थी या सामान्य, इसका पता लगाने के लिए एफएनएसी जांच कराई गई।

छोटे विद्यालयों के समेकन से उत्तर प्रदेश में शिक्षा गुणवत्ता को नई दिशा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के क्रियान्वयन की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए प्रदेश के छोटे और सीमित संसाधनों वाले प्राथमिक विद्यालयों को बड़े, समुचित सुविधाओं से युक्त विद्यालयों के साथ समेकित करने की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी है। इसका उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और सहभागी शिक्षा मुहैया कराना है।शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तय दिशानिर्देशों के अनुसार, जिन विद्यालयों में छात्र संख्या 50 से कम है, उन्हें निकटवर्ती बड़े विद्यालयों से जोड़ा जा रहा है। यह कदम शिक्षण में नवाचार, समूह कार्य, सहपाठी संवाद और कक्षा–कक्ष आधारित अनुभवों की उपलब्धता को बेहतर बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। राज्य सरकार का मानना है कि ऐसे छोटे विद्यालय, जिनमें नामांकन अत्यल्प है और शिक्षकों की संख्या भी सीमित है, वहां बच्चों को अधिगम की आवश्यक विविधता और संसाधनों से समृद्ध वातावरण नहीं मिल पाता।नई व्यवस्था के अंतर्गत अब विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास, प्ज्ज लैब, पुस्तकालय, खेलकूद की सुविधाएं और प्रशिक्षित शिक्षकों की संपूर्ण उपस्थिति मिलेगी। समूह में कार्य, प्रश्नोत्तर आधारित अध्ययन, प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण और प्रतियोगी गतिविधियों से बच्चों के भीतर आत्मविश्वास का निर्माण होगा।प्रदेश सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि विद्यालयों की यह 'पेयरिंग' प्रक्रिया किसी भी रूप में स्कूल बंद करने का प्रयास नहीं है। पेयरिंग के बाद रिक्त हुए भवनों का उपयोग आंगनबाड़ी, बालवाटिका या पूर्व–प्राथमिक शिक्षा केंद्र के रूप में किया जाएगा। इन केंद्रों में बाल मैत्रिक फर्नीचर, वंडर बॉक्स, लर्निंग कॉर्नर, टीएलएम और अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था की जा रही है। इससे इन भवनों का बेहतर और सृजनात्मक उपयोग सुनिश्चित होगा।शिक्षकों और कर्मचारियों के संबंध में भी सरकार ने स्पष्ट किया है कि न तो किसी शिक्षक और न ही किसी रसोइया की छँटनी की जा रही है। 50 से कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों में न्यूनतम तीन शिक्षकों की तैनाती की व्यवस्था लागू की गई है। साथ ही जहां छात्र संख्या अधिक है, वहां छात्र–शिक्षक अनुपात (च्ज्त्) के अनुसार नई तैनाती की जा रही है।पेयरिंग की इस प्रक्रिया को मजबूत आधार देने के लिए बुनियादी ढांचे पर विशेष बल दिया गया है। 'ऑपरेशन कायाकल्प' के माध्यम से प्रदेश के 96 प्रतिशत से अधिक विद्यालयों को सभी 19 निर्धारित बुनियादी सुविधाओं से युक्त किया गया है। अब तक 1.26 लाख से अधिक शिक्षकों की भर्ती की जा चुकी है, और मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयों के निर्माण हेतु 4500 करोड़ रुपये की योजना पर कार्य प्रगति पर है।शिक्षा की गुणवत्ता और अधिगम स्तर में सुधार के लिए 1722 पीएम–श्री विद्यालयों का चयन किया गया है। इन विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, विज्ञान व गणित प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, प्ज्ज लैब आदि की स्थापना की जा रही है। इससे ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों के विद्यार्थियों को समान अवसर और आधुनिक शिक्षा का लाभ मिलेगा।बच्चों को यूनिफॉर्म, बैग, जूते–मोजे, स्वेटर आदि के लिए अब डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (क्टज्) के माध्यम से 1200 रुपये की वार्षिक सहायता सीधे उनके खातों में भेजी जा रही है। इस व्यवस्था में अब तक 1200 करोड़ रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर की जा चुकी है।डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों को 2.6 लाख टैबलेट वितरित किए गए हैं, जिससे वे शिक्षण कार्य को अधिक प्रभावी, समृद्ध और डेटा–संचालित बना सकें। साथ ही 14 हजार से अधिक विद्यालयों को प्ज्ज लैब से सुसज्जित किया गया है।शिक्षा के क्षेत्र में यह परिवर्तन अब प्रत्यक्ष रूप से परिणामों में भी दिखाई देने लगा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय 'परख' मूल्यांकन 2024 में उत्तर प्रदेश के कक्षा 3 के छात्रों ने राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन किया है। वहीं असर रिपोर्ट 2024 में भी राज्य में अधिगम स्तर में उल्लेखनीय सुधार की पुष्टि हुई है। वर्ष 2024–25 में प्रदेश के 48,061 विद्यालयों को 'निपुण विद्यालय' के रूप में चिन्हित किया गया है।विद्यालयों के भवनों की सुरक्षा को लेकर भी सरकार सतर्क है।

संक्षिप्त खबरें

दस वर्षों बाद लागू हुआ नया सर्किल रेट, दुकान और मकान खरीदना होगा महंगा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में जमीन, मकान या दुकान खरीदना अब और महंगा हो जाएगा। शुक्रवार से नया सर्किल रेट लागू कर दिया गया है। राजधानी में 10 वर्ष के बाद सर्किल रेट में बदलाव हुआ है। नए रेट में कृषि भूमि पर 15, व्यावसायिक पर 25 और बहुमंजिला भवनों पर 20: तक की बढ़ोतरी की गई है। कार्यालय, गोदाम और दुकान पर औसतन 20: की वृद्धि की गई है। अफसरों ने बताया कि दस साल पहले जो सर्किल रेट में बदलाव किया गया था उसमें कुछ ऐसे स्थान थे जहां दुकान, कार्यालय व गोदाम के सर्किल रेट में विसंगति थी। ऐसे स्थानों पर रेट 40 फीसदी तक बढ़ाया गया है जिससे विसंगति दूर हो सके। एक जुलाई को प्रशासन ने प्रस्तावित सर्किल रेट जारी कर आपत्तियां मांगी थीं। 49 आपत्तियां आईं जिनका डीएम व एडीएम वित्त एवं राजस्व ने सुनवाई कर निस्तारण किया। प्रस्तावित रेट में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया। लगभग प्रस्तावित रेट पर ही मुहर लगी। सुनवाई के बाद मोहनलालगंज और सरोजनीनगर के कुछ गांवों में जमीन के भाव में एकरूपता लाई गई है। इस बार जारी किए गए सर्किल रेट में अहम बदलाव किया गया है। यदि किसी अकृषक भूखंड के आसपास व्यावसायिक भवन या भूखंड है तो उसको 20 फीसदी अधिक मूल्य देना होगा। यदि कोई इसे बेचेगा तो भूमि का मूल्यांकन निर्धारित अकृषक दर से 50 फीसदी बढ़ाकर किया जाएगा। प्रशासन ने 67 सड़कों के आसापस के इलाके का सर्किल रेट जारी किया है। इसमें गोमतीनगर के विराजखंड और विभूतिखंड की दो सड़कों का सर्किल रेट 77 हजार तय किया है। इसमें विराजखंड रोड फ्लाईओवर के नीचे से विभूतिखंड के मंत्री आवास होते हुए वन अवध मॉल होते हुए बैंक ऑफ इंडिया लोहिया पथ तक और विभूतिखंड पुलिस चौकी से हयात होटल होते हुए पिकअप भवन चौराहे तक के मार्ग के दोनों तरफ पड़ने वाले गांव, मोहल्ले शामिल हैं। दान विलेख जिसमें अचल संपत्ति परिवार के सदस्यों जैसे बेटा–बेटी, बहू, पिता–माता, पति–पत्नी, सगा भाई या उसके न होने पर उसकी पत्नी, सगी बहन, दामाद के लिए छूट है। इसमें अधिकतम स्टांप शुल्क पांच हजार रुपये लगेगा। एडीएम एफआर राकेश कुमार सिंह ने बताया कि दो क्यूआर कोड तैयार किए गए हैं। एक कोड के जरिये स्टांप एवं निबंधन विभाग का विवरण, अफसरों के फोन नंबर, स्टांप के बारे में, अधिनियम समेत अन्य जानकारी जनता ले सकेगी।

गांवों की गर्भवती महिलाओं में जागरूकता की कमी

लखनऊ, (संवाददाता)। ग्रामीण क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं में जागरूकता की कमी है। पीरियड मिस होने पर भी वे गर्भावस्था के बारे में समय से नहीं सोचतीं, जिसका असर मां व गर्भ में पल रहे शिशु पर पड़ता है। गर्भावस्था का जल्द पता लगाने व प्रेग्नेंसी किट के सही इस्तेमाल के महत्व के बारे में एएनएम को प्रशिक्षित किया जाएगा। वे गांवों में जाकर महिलाओं को जागरूक करेंगी। स्वास्थ्य विभाग व मैनकाइंड प्रेगा न्यूज के सहयोग से बृहस्पतिवार को सीएमओ कार्यालय के सभागार में आयोजित स्वास्थ्य कार्यकर्ता सम्मान समारोह में कंपनी के जॉय चटर्जी ने ये बातें कहीं। मौके पर मातृ स्वास्थ्य में अहम भूमिका निभाने वाली 40 शहरी व ग्रामीण क्षेत्र की एएनएम को सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना पर उद्यमियों की संगोष्ठी आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। लघु उद्योग भारती लखनऊ इकाई द्वारा भारत सरकार की ''प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना'' से जुड़ी इम्पलाइमेंट लिंक्ड इनसेंटिव योजना की जानकारी जिले के उद्यमियों तक पहुँचाने के उद्देश्य से होटल क्लार्क अवध में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से संपन्न हुआ। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में भविष्य निधि के क्षेत्रीय आयुक्त अश्वनी कुमार गुप्ता और उत्तर प्रदेश के अपर केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त उदय बक्शी उपस्थित रहे।अश्वनी कुमार गुप्ता ने कहा कि भारत सरकार द्वारा 1 जुलाई 2025 से लागू की गई प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना का उद्देश्य देशभर में रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है, विशेषकर विनिर्माण क्षेत्र में। ध्99,446 करोड़ की इस योजना से दो वर्षों में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार सृजन का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना का लाभ 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 के बीच सृजित नौकरियों पर लागू होगा।उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत ऐसे नियोक्ता जिनके कर्मचारी ईपीएफ में पंजीकृत होंगे और जिनकी मासिक वेतन ध्1 लाख तक होगी, उन्हें प्रति कर्मचारी अधिकतम ध्3,000 की सरकारी सहायता मिलेगी। यह सहायता सीधे लाभार्थियों के खातों में स्थानांतरित की जाएगी, जिससे रोजगार पाने वाले नए कर्मचारियों को भी इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अवध प्रान्त के विशेष संपर्क प्रमुख प्रशांत भाटिया ने कहा कि यह योजना सूक्ष्म और लघु उद्योगोंमेंरोजगार के अवसर बढ़ाएगी और श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करेगी।इस अवसर पर लखनऊ के लगभग 100 उद्यमियों ने सहभागिता की और योजना के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

तुलसीदास और प्रेमचंद की जयंती पर बीबीएयू में संगोष्ठी, साहित्य में समरसता और राष्ट्रबोध पर हुई सार्थक चर्चा

लखनऊ, (संवाददाता)। स्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 31 जुलाई को हिन्दी प्रकोष्ठ के तत्वावधान में तुलसीदास और प्रेमचंद जयंती के अवसर पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का मुख्य विषय 'तुलसीदास के साहित्य में समरसता' और 'प्रेमचंद के कथासाहित्य में राष्ट्र–बोध' रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. पवन पुत्र बादल उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और तुलसीदास, प्रेमचंद तथा बाबासाहेब अम्बेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात आयोजन समिति द्वारा अतिथियों को पुष्पगुच्छ, पटका और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक एवं सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण में संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। मंच संचालन डॉ. शिव शंकर यादव ने किया।कुलपति प्रो. मित्तल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत को केवल आर्थिक महाशक्ति बनाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और बौद्धिक परंपराओं के साथ संतुलन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि तुलसीदास ने धर्म को केवल रीति–रिवाजों से न जोड़कर व्यवहार और कर्तव्य से जोड़ा। उन्होंने 'परहित सरिस धरम नहिं भाई' जैसी पंक्तियों

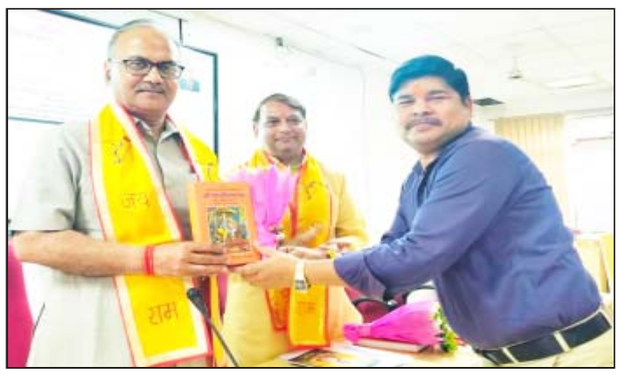

कहा कि उपभोगवादी पश्चिमी संस्कृति के बजाय हमें अपने मूल्यों, कर्तव्यों, परिवार, पर्यावरण और मातृभाषा के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि लोग हस्ताक्षर भी हिंदी में करें, जिससे मातृभाषा को सम्मान और बढ़ावा मिल सके।मुख्य अतिथि डॉ. पवन पुत्र बादल ने तुलसीदास कृत 'रामचरितमानस' को समरसता का उत्कृष्ट ग्रंथ बताते हुए का उल्लेख करते हुए बताया कि तुलसीदास का साहित्य परोपकार, करुणा और नैतिकता का संदेश देता है, जो आज भी प्रासंगिक है।भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. राम पाल गंगवार ने प्रेमचंद के साहित्य में राष्ट्रबोध की गहराई पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद ने न केवल सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई, ।

10 हजार से ज्यादा युवाओं ने देखे 50 बिजनेस मॉडल

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में चल रहे तीन दिवसीय सीएम युवा कॉन्क्लेव एंड एक्सपो–2025 के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को पूरे प्रदेश से 10 हजार से युवा पहुंचे। उद्यमी बनने की चाह रखने वाले इन युवाओं ने 50 से ज्यादा बिजनेस मॉडल देखे। स्टालों पर छात्रों और प्रशिक्षुओं की भारी भीड़ रही। उद्यम लगाने के इच्छुक युवाओं और फ्रेंचाइजी ऑनर्स के बीच 1200 से अधिक वन टू वन बिजनेस मीटिंग हुईं। 8000 बिजनेस से संबंधित पूछताछ की गईं। कॉन्क्लेव में अन्य राज्यों के प्रतिनिधि और कंपनियां भी हिस्सा ले रही हैं। प्रदेश में पहली बार ऐसा एक्सपो हो रहा है जहां युवाओं को इनोवेटिव बिजनेस आइडिया से जोड़ने के लिए एक ही छत के नीचे 150 से ज्यादा फ्रेंचाइजी ब्रांड्स, मशीनरी प्रदाता, मैन्युफैक्चरिंग बिजनेस मॉडल और 50 बिजनेस ऑन व्हील्स मॉडल्स का डिस्प्ले किया गया है। ये बिजनेस मॉडल खाद्य एवं पेय पदार्थ, रिटेल, शिक्षा, सौंदर्य और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों से संबंधित हैं। इनमें डॉ गैराज, द बर्गर कंपनी, एमबीए मखानावाला, हनीमैन कैफे, दवा इंडिया, कबाब स्टोरी, ग्लोरिया आइसक्रीम, किडजी प्री स्कूल, ध्ाोबीलाइट, मिस्टर सैंडविच, पॉस्टार जैसे नाम शामिल हैं। एक्सपो में युवा प्रतिभागियों को व्यवसायों के साथ सीधे संवाद का मौका मिला।

आरटीओ में भुगतान के लिए कैश का झंझट खत्म, यूपीआई से पेमेंट

लखनऊ, (संवाददाता)। परिवहन विभाग की सेवाएं लगातार डिजिटल हो रही हैं। इसी क्रम में अब भुगतान के लिए कैश का झंझट खत्म कर दिया गया है। टैक्स, जुर्माना या अन्य भुगतान यूपीआई के जरिए किया जा सकेगा। बृहस्पतिवार को क्यूआर कोड जारी किया गया। एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि वाहन स्वामियों के लिए डिजिटल पेमेंट की सुविधा शुरू कर दी गई है। अब वाहन का टैक्स या फिर जुर्माना भरने के लिए लोगों को अपने साथ कैश लाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। छुट्टे को लेकर होने वाला संकट भी नहीं रहेगा। यूपीआई व्यवस्था शुरू कर दी गई है। बृहस्पतिवार को कई वाहन स्वामियों ने इससे पेमेंट किया। इसके अलावा अब चेकिंग अभियान के दौरान प्रवर्तन टीमों के हाथ भी पीओएस मशीन रहेंगी, जिससे वाहन स्वामी मौके पर ही चालान का भुगतान क्रेडिट या डेबिट कार्ड से कर सकेंगे। भविष्य में चालान का भुगतान करने के लिए यूपीआई का भी विकल्प जोड़ा जाएगा। दरअसल, ट्रांसपोर्टनगर स्थित आरटीओ में सेवानिवृत्त विंग कमांडर शुक्ल ने सबसे पहले इस सुविधा का लाभ उठाया। उन्होंने खुशी जाहिर की। इस बाबत आरटीओ प्रशासन संजय तिवारी ने बताया कि आवेदकों की सुविधा के लिए क्रेडिटध्डेबिट कार्ड के अलावा यूपीआई से पेमेंट जमा करने की सुविधा शुरू की गई है। आरटीओ (प्रवर्तन) प्रभात पांडेय का कहना है कि प्रवर्तन टीमों के पास भी पीओएस मशीनें होंगी। चेकिंग के दौरान किसी वाहन स्वामी का चालान होता है तो मौके पर ही वे कार्ड से भुगतान कर सकेंगे। इससे उनके समय की भी बचत होगी और भुगतान भी वहीं पर हो जाएगा। पीओएस मशीनों में जल्द ही यूपीआई की सुविधा दी जाएगी। एसबीआई के प्रतिनिधि अनुपम मिश्र का कहना है कि पिछले दो साल से इसे लेकर बैंक की ओर से काम चल रहा था, ।

'पैमाइश के प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा में कराया जाये-जिलाधिकारी'

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' शनिवार को तहसील सवायजपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने आमजन की समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी ने सुनवाई के दौरान सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि विवाद के स्थायी समाधान के लिए थाकबंदी के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कराया जाये। पैमाइश के प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा में कराया जाये। अंश निर्धारण व अंश संशोधन के प्रकरणों के निस्तारण में देरी न की जाये। चकरोड मार्ग पर कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए टीम तत्काल मौके पर जाये। पात्रों को नियमानुसार कृषि, आवास, मत्स्य पालन व कुम्हारी कला के पट्टों का आवंटन किया जाये। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कहा कि गंभीर भूमि विवाद की दशा में राजस्व विभाग व पुलिस की टीम मौके पर जाये। लोगों को न्याय दिलाने के लिए त्वरित कार्यवाही की जाये। समाधान दिवस में पात्रों का मौके पर ही वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन हेतु पंजीकरण कराया गया। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनवाये गए। पात्र बच्चों को बाल सेवा योजना व स्पॉन्सरशिप योजना से आच्छादित कराया गया। समाधान दिवस में एक महिला ईश्ववती जिनके पति का देहांत हो चुका है, के दो बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से आच्छादित कराया गया। एक महिला का निराश्रित महिला पेंशन हेतु पंजीकरण कराने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए। पूर्ति विभाग को उन्होंने पात्रता की जाँच कर राशन कार्ड बनवाने को कहा। समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने हाल में विकास खण्ड स्तर पर लगाए गए कैम्प में जिन बच्चों के जन्म प्रमाण प्रमाण पत्र बनाये गए थे, उनमे से कुछ बच्चों को अपने हाथों से जन्म प्रमाण पत्र वितरित किये।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सवायजपुर मयंक कुंडू, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र कुमार सिंह व सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जौनपुर देश का पहला जनपद है जहां सबसे अधिक किसान इस योजना से लाभान्वित हुए है : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 02 अगस्त। कृषि विज्ञान केन्द्र बक्शा में पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त के वितरण कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव की अध्यक्षता और एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशु की उपस्थिति में किया गया। उक्त अवसर पर प्रधानमंत्री जी के द्वारा पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त के वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया। राज्यमंत्री, एमएलसी और जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर उन्हे प्रोत्साहित किया गया और कृषि पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री ने कहा कि शासन के द्वारा अनेकों योजनाए चलाई जा रही है, जिससे उनकी आय को दोगुनी की जा सके। यह योजना किसानों के लिए बहुत ही उपयोगी योजना है। जो भी किसान इस योजना से वंचित रह गये है वे अपना रजिस्ट्रेशन कराकर योजना का लाभ प्राप्त करें। एमएलसी जी ने कहा कि जनपद में 07 लाख 50 हजार किसानों को सीधे 150 करोड़ रूपये निर्गत किये गये है। यह योजना प्रधानमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना है। पूरे देश के किसान इससे लाभान्वित हो रहे है। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ सभी विकास खण्डो में आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि बताते हुए हर्ष हो रहा है कि जनपद जौनपुर देश का पहला जनपद है जहां सबसे अधिक किसान इस योजना से लाभान्वित हुए है।कार्यक्रम का संचालन डिप्टी पीडी आत्मा डा0 रमेश चन्द्र यादव ने किया।

'नवागत तहसीलदार विनोद कुमार ने किया पदभार ग्रहण'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' सवायजपुर तहसील में नवागत तहसीलदार विनोद कुमार ने अपने कार्यालय 10 बजे पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। इस दौरान तहसील कर्मचारियों से मिलकर शासन द्वारा जारी किए गए नियमों का पालन करने और न्यायालय में लंबित प्रकरणों को जल्द निस्तारित करने को कहा। आपको बता दें कि तहसीलदार विनोद कुमार कानपुर नगर के मूल निवासी हैं। शासन द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण अवधि के बाद आपकी प्रारंभिक नियुक्ति तहसीलदार के पद पर तहसील सवायजपुर में हुई। तहसीलदार विनोद कुमार ने पद भार ग्रहण करते ही तहसील परिसर की साफ सफाई व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित को दिशा निर्देश दिए। नवागत तहसीलदार के आने से अब छात्रों को आय,जाति और निवास प्रमाण पत्र बनने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी। पत्रकार वार्ता में उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं में बताया कि राजस्व विभाग से संबंधित सभी कार्य ससमय होंगे और किसानों को परेशान होना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आम जनता को त्वरित न्याय दिलाना ही उनका मुख्य उद्देश्य है। साथ ही सरकार की मंशानुरूप सरकार की योजनाओं का किर्यान्वयन उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार किया जाएगा और शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व न्याय संगत तरीके से धरातल पर कराने का प्रयास होगा ताकि शिकायतकर्ताओं को बार–बार तहसील के चक्कर न लगाना पड़े।न्यायालय में चल रहे वादों को अधिवक्ता गण से सामंजस्य स्थापित कर न्यायालय को सुचारू रूप से चलाने का प्रयास किया जाएगा जिससे वादकारियों को न्याय संगत तरीके से न्याय मिल सके।

निकाय स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स की क्षमता संवर्धन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

नगर पालिका परिषद शाहाबाद में विकेन्द्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु नगर निकाय स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स की क्षमता संवर्धन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन आज किया गया। इस कार्यशाला में ,जिला कार्यक्रम प्रबंधक पुष्पेन्द्र सिंह ,व अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर और समस्त सफाई नायक , सुपरवाइजर व सम्बंधित कर्मचारी शामिल रहे।कार्यशाला में कचरा क्या है,कचरे के प्रकार , कचरे के पृथकीकरण का महत्व एवं कचरे की नजदीकी इकाई पर प्रबंधन होम और कम्युनिटी कम्पोस्टिंग, स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति और जन जागरूकता कार्यक्रम, व्यवहार परिवर्तन के सात चरणों पर और सूखे कचरे को एमआरएफ व आर आर आर केंद्र के माध्यम से निस्तारण करने पर चर्चा कर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों से सीधे जुड़ाव पर जोर दिया गया क्यों की बिना व्यवहारिक परिवर्तन और अपशिष्ट प्रथक्करण के अपशिष्ट प्रबंधन किया जाना संभव नहीं है ! उक्त कार्यक्रम का क्रियान्वयन प्रशिक्षण के उपरांत जमीनी स्तर पर किया जाना है।

सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 02 अगस्त जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में तहसील मछलीशहर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा गम्भीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि शिकायती प्रार्थना पत्रों पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी के समक्ष राजस्व विभाग, भूमि विवाद, पथरगड्डी, पेंशन आदि से सम्बन्धित शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसपर जिलाधिकारी ने

सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए ससमय निस्तारण करने के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष 125 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, मौके पर 04 शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेटध्उपजिलाधिकारी मछलीशहर सौरभ कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, तहसीलदार, क्षेत्राधिकारी सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 राम अक्षयबर चौहान की अध्यक्षता में तहसील मड़ियाहूँ में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इसी क्रम में अन्य तहसीलों में भी संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

कमरे में कटर से गला काटकर पति की हत्या– इस नोट ने कहानी में फंसाया पेंच

गोरखपुर, (संवाददाता)। चिलुआताल क्षेत्र में बुधवार की रात एक व्यक्ति की गलाकर काटकर हत्या का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि गले को कटर मसीन से काटकर हत्या को अंजाम दिया गया। हत्या की वजह पति –पत्नी के बीच अनबन बताई जा रही है। पुलिस को घटना स्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है। हालांकि, मृतक के लिखावट से सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग अलग बताई जा रही है। घटना के वक्त घर में युवक पत्नी व दो बच्चे मौजूद थे। सूचना पर पहुंची चिलुआताल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मर्चरी भेज दिया था। वहीं, घटना स्थल से फोरेंसिक टीम ने जरूरी साक्ष्य इकट्ठा की है। घर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक,चिलुआताल क्षेत्र के मुड़िला उर्फ मुंडेरा निवासी वीरेंद्र प्रजापति (36 वर्ष) पुत्र दाराचंद की शादी वर्ष 2014 में लक्ष्मीना प्रजापति से हुई थी। वीरेंद्र मोबाइल रिपेयरिंग का काम कर जीवन यापन कर रहे थे। कोविड के बाद दुकान बंद करके बिजली वायरिंग का काम करने लगे। वीरेंद्र और लक्ष्मीना के नव्या (10) और विकास(8) दो बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि पिछले एक वर्ष से पति पत्नी के बीच संबंध ठीक नहीं चल रहा था। दोनों एक ही घर के अलगदृ अलग कमरे में रहते थे और वीरेंद्र होटल में खाना खाता था। बुधवार की रात दोनों के बीच कुछ अनबन हुई और तड़के सुबह शोर मच गया कि वीरेंद्र की कटर मशीन से किसी ने गला काटकर हत्या कर दी। आशंका जाहिर की जा रही है कि पत्नी लक्ष्मीना ने पति से विवाद के बाद उसकी गला काटकर हत्या कर दी है। हालांकि घटना के बाद तक लक्ष्मीना घर में मौजूद रही। सूचना पर चिलुआताल पुलिस व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जरूरी साक्ष्य इकट्ठा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। पुलिस को युवक के कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें जिक्र है कि मैं अपनी मर्जी से आत्म हत्या कर रहा हूं। इसमें मेरे पत्नी का कोई दोष नहीं है। आसपास के लोगों ने बताया कि वीरेंद्र शारीरिक रूप से बहुत कमजोर हो चुका था। सुसाइड में लिखे शब्द वीरेंद्र के लिखावट से अलग दिख रहे हैं। चिलुआताल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

लक्ष्य फाउन्डेशन के प्रोपराइटर आदित्य श्रीवास्तव के विरुद्ध वित्तीय अनियमिता का नामजद मुकदमा दर्ज

बस्ती, (संवाददाता)। नगर पंचायत अध्यक्ष हर्रैया कुंवर कौशलेन्द्र प्रताप सिंह की तहरीर पर हर्रैया थाने की पुलिस ने मेसर्स लक्ष्य फाउन्डेशन के प्रोपराइटर आदित्य श्रीवास्तव के विरूद्ध नामजद मुकदमा दर्ज कराया है। आदित्य श्रीवास्तव के विरूद्ध बी. एन.एस. की धारा 318 (4), 338, 336 (3), 340 (2) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस विवेचना कर रही है। कोतवाली थाना क्षेत्र के रौतापार गांधीनगर निवासी आदित्य श्रीवास्तव पर नगर पंचायत हर्रैया में आउट सोर्सिंग मैन पावर, कार्मियों की आपूर्ति में वित्तीय धोखाधडी, जमानत के रूप में जमा किये गये धनराशि को निकाल लेने के साथ ही अनेक गंभीर आरोप है। नगर पंचायत अध्यक्ष हर्रैया कुंवर कौशलेन्द्र प्रताप सिंह की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना कर रही है। तहरीर में कहा गया है कि नगर पंचायत हरैया के तत्कालीन अधिशासी अधिकारी संजय कुमार राव निवासी जनपद–देवरिया द्वारा आदित्य श्रीवास्तव प्रोप्राइटर मे०–लक्ष्य फाउन्डेशन के विरुद्ध नगर पंचायत हरैया बस्ती में की गयी अनियमितताओं एवं अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत हरैया बस्ती के पद नाम से बन्धक कराकर जमा किये गये मीयादी जमाराशि प्रमाण पत्र का भुगतान प्राप्त कर लिये जाने के सम्बन्ध में प्राथमिकी दर्ज करके विधिक कार्यवाही किये जाने का अनुरोध किया गया था। तहरीर के अनुसार जनपद–बस्ती में माह–जुलाई 2020 से माह–सितम्बर, 2023 तक सेवाप्रदाता के रुप में आउटसोर्सिंग मैनपावर कार्मिकों की आपूर्ति के संबंध में की गयी विविध अनियमितताओं के फलस्वरूप सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी वरिष्ठ लेखा परीक्षक स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग उ०प्र० सेवाप्रदाता द्वारा प्राप्त किये गये अधिक , अनियमित भुगतान के सम्बन्ध में वर्ष 2019–20 एवं 2020–21 की लेखा परीक्षा एवं निरीक्षण रिपोर्ट भाग–क के प्रस्तर 3–क ख एवं ग (छायाप्रति संलग्नक–1) एवं वर्ष 2021–22 की लेखा परीक्षा एवं निरीक्षण रिपोर्ट भाग–ख के प्रस्तर द (2) द्वारा अनियमित भुगतान की पत्तिपूर्ति कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त अनियमितताओं के अतिरिक्त आदित्य श्रीवास्तव, प्रोप्राइटर मेसर्स लक्ष्य फाउन्डेशन, मनं0–1555, रौतापार, गांधीनगर, बस्ती, द्वारा नगर पंचायत हरैया, जनपद–बस्ती में मानव संसाधन के आपूर्ति की निविदा हेतु जमानत के रूप में केनरा बैंक, शाखा बस्ती से निर्गत मीयादी जमाराशि प्रमाणपत्र संख्या एसबीएस 396432, खाता सं0– 140000807131६ 63, दिनांक– 30.07.2023–825500.00 को अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत हरैया, बस्ती के पदनाम से बन्धक कराकर निविदा पत्र के साथ जमा, संलग्न किये गये उक्त मीयादी जमाराशि प्रमाणपत्र सं एसबीएस 396432, खाता सं0–140000807131६63, दिनांक– 30.07.2023–825500.00 को जब्त करके निकाय के बैंक खाते में जमा किये जाने हेतु मानव संसाधन आपूर्ति , 2024–25, दिनांकः 07 नवम्बर 2024 (छायाप्रति संलग्नक–3) द्वारा शाखा प्रवन्धक, केनरा बैंक, शाखा बस्ती से अनुरोध किया गया था।

चीन वाले मांझा से युवक की गर्दन की नस कटी

गोरखपुर, (संवाददाता)। चीन के मांझे की चपेट में आने से मंगलवार को एक युवक की जान पर बन आई। सूरजकुंड आवास से मां को बाइक से लेकर धर्मशाला जा रहे अमित की सूरजकुंड पुल पर मांझे की चपेट में आने से गले की चार नस कट गईं। पुल पर जा रहे एक कार सवार ने आनन–फानन में उन्हें निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया गया। वहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इस दौरान युवक की गर्दन से खून रुक–रुककर बहता रहा।जानकारी के मुताबिक, सूरजकुंड इलाके में रहने वाले अमित गुप्ता बिजली का काम करते हैं। मंगलवार शाम छह बजे अपनी मां को लेकर धर्मशाला बाजार जा रहे थे। इस दौरान सूरजकुंड पुल पर अचानक चीन वाला मांझा उनके ऊपर गिर गया। हेलमेट पहनने के कारण मांझा सरक कर गर्दन में आकर फंस गया। गाड़ी रोकने में इतनी देर हो गई कि उनकी गर्दन की नस कट गई और वह सड़क पर गिर गए। इस दौरान पीछे बैठी मां सहम गईं और चिल्ला–चिल्ला कर रोने लगीं। आवाज सुनकर और युवक के शरीर से खून बहते देख वहीं से गुजर रहे एक कार सवार ने गाड़ी रोकी और पुल से थोड़ी दूर एक निजी अस्पताल लेकर गए। अस्पताल ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस दौरान रिश्तेदार और परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंच गए। निजी अस्पताल से अमित को लेकर परिजन सीधे जिला अस्पताल पहुंचे। परिजनों का कहना है कि शाम की घटना होने और जिला अस्पताल में ऑपरेशन नहीं हो पाने के साथ हालत गंभीर का हवाला देकर उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। इमरजेंसी में युवक के परिजनों को बताया गया कि हालत गंभीर है और ऑपरेशन करना पड़ेगा।

हिन्दू संगठनों ने हनुमान चालीसा पाठ के बाद प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

बस्ती, (संवाददाता)। गुरूवार को अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद जिलाध्यक्ष स्नेह पाण्डेय, राष्ट्रीय बजरंग दल जिलाध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी और संरक्षक प्रमोद पाण्डेय के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने हिन्दुओं के बढते उत्पीड़न, जन संख्या नियंत्रण आदि सवालों को लेकर प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। लम्बी प्रतीक्षा के बाद जब कोई अधिकारी ज्ञापन लेने नहीं पहुंचा तो पदाधिकारी हनुमान चालीसा पढने लगे। कलेक्ट्रेट में जब हनुमान चालीसा की आवाज गूंजने लगी तो जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी ने हनुमान चालीसा पूरा हो जाने के बाद ज्ञापन लिया। प्रधानमंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि भारत के किसी भी प्रदेश में हिंदू समाज सुरक्षित नहीं है। हिन्दुओं के सभी त्यौहारों पर देश के किसी न किसी हिस्से में, या देश के किसी न किसी शहर में हमले होते हैं, शोभा यात्राओं पर हमले हैं। पिछले दिनों में बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले का दंगा जिसमें हिंदुओं को मारा गया। पहलगाम में मुसलमानों ने सुनियोजित तरीके से आतंकी घटना को अंजाम दिया। बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध हुआ नरसंहार भी जनसंख्या में असंतुलन का ही परिणाम था। देश में बढ़ती हुई जनसंख्या का एक बड़ा कारण बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ भी एक बड़ा कारण है, इस घुसपैठ को रोकना, और घुसपैठियों को बाहर निकालना भी जरूरी है। छांगुर जैसे विदेशी धन पर धर्मांतरण करने वाले सक्रिय गिरोह भी हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं। ज्ञापन देने के बाद बस्ती मण्डल विभागाध्यक्ष संजय द्विवेदी, संरक्षक प्रमोद पाण्डेय के साथ ही अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद जिलाध्यक्ष स्नेह पाण्डेय, राष्ट्रीय बजरंग दल जिलाध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी और ने कहा कि मुस्लिम समुदाय की बढ़ती संख्या हिंदुओं के लिए बहुत बड़ा खतरा बन गई है।

111.55 लाख की चार सड़क परियोजना का राज्यमंत्री ने किया शिलान्यास

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,02 अगस्त (हि.स.)।शनिवार को खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसितध्मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत रूपए 111.55 लाख की लागत की चार सड़क परियोजना का शिलान्यास किया। जिन सड़कों का शिलान्यास किया उसमें प्रमुख रूप से वार्ड अहियापुर में स्टेशन मार्ग से बुआ जी हॉस्पिटल होते हुए डा0 मंजू के मकान तक नाली व इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य अनुमानित लागत रू0 23.77 लाख,

वार्ड अहियापुर में आशा सिंह के मकान से शैलेन्द्र यादव, अजय यादव के मकान से होते हुए रामदुलार के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमानित लागत रू0 24.61 लाख, वार्ड अहियापुर में सर्विस स्टेशन के आगे सुरेन्द्र रावत के मकान से होरीलाल, रघुवीर गुप्ता के मकान तक एवं लालू भूषा की दुकान से राजेन्द्र के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमानित लागत रू0 28.68 लाख, गुलरघाट में बेनी प्रसाद की दुकान के सामने से बदलापुर पड़ाव तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमानित लागत रू0 34.49 लाख से किया जायेगा।

मुठभेड़ में दो पशु तस्कर गिरफ्तार, दोनों के लगी गोली

गोरखपुर, (संवाददाता)। बरियारपुर थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की देर रात को पुलिस और पशु तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में दो वांछित अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान दोनों तस्करों के पैरों में गोली लगी, जिन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान खुर्शीद शाह (कुशीनगर) और मुनाब अली (गोपालगंज, बिहार) के रूप में हुई है। दोनों अपराधी कई संगीन मामलों में वांछित थे और उनके पास से अवैध हथियार भी बरामद किए गए हैं। बृहस्पतिवार को ग्राम बरूआडीह के पास एक पिकअप वाहन ने जान से मारने की नीयत से एक ई–रिक्शा में टक्कर मार दी थी। हादसे में ई–रिक्शा चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थानीय लोगों ने घटना के विरोध में सड़क पर धरना प्रदर्शन भी किया। सूचना पर पहुंची पुलिस घटनास्थल से ही दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर थाने लाई और केस दर्ज कर लिया। जांच के क्रम में जब पुलिस अभियुक्तों को घटनास्थल के निरीक्षण के लिए दोबारा लेकर गई, तो उन्होंने वाहन में छिपाए गए अवैध तमंचों से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और भागने की कोशिश की। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में दोनों अभियुक्तों के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने तुरंत उन्हें काबू में लिया और इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। खुर्शीद शाह के खिलाफ कुशीनगर जिले के विभिन्न थानों में हत्या प्रयास, अवैध हथियार और गोकशी से जुड़े कुल 7 मामले दर्ज हैं। इनमें खड्डा, पडरौना और कसया थानों में दर्ज गंभीर धाराएं शामिल हैं। वहीं, मुनाब अली के खिलाफ भी आयुध अधिनियम और चोरी की साजिश रचना जैसे आरोपों में तीन केस कुशीनगर के थानों में दर्ज हैं। इन दोनों अपराधियों की आपराधिक पृष्ठभूमि पशु तस्करी के बड़े नेटवर्क की ओर इशारा करती है। मुठभेड़ के बाद अभियुक्तों के कब्जे से दो देसी तमंचे, पांच कारतूस और दो खोखा बरामद किए गए हैं। बरामद हथियारों से यह साफ है कि ये अपराधी पहले से ही पुलिस पर हमला करने की तैयारी में थे। इस पूरी कार्रवाई में बरियारपुर थाना पुलिस की सक्रिय भूमिका रही।

महंथ गिरजेश दास ने डीएम, एसपी से लगाया न्याय की गुहार, सौंपा पत्र

बस्ती, (संवाददाता)। नगर थाना क्षेत्र के रामगढ उर्फ कठार जंगल में स्थित हनुमान मंदिर के महंथ दिगम्बर अखाड़ा चित्रकूट बैठक के मूल निवासी नागा महंथ गिरजेश दास ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है।डीएम, एसपी को दिये पत्र में महंथ गिरजेश दास ने कहा है कि हनुमान मंदिर से सटा गौशाला है जो इसी ग्राम पंचायत की भूमि पर बना है। इसके ट्रस्टी गांव के नहीं है और गायों की देख रेख भी नहीं किया जाता। ट्रस्ट के नगर थाना क्षेत्र के तिनपेडिया निवासी चन्द्रशेखर मिश्रा , कोतवाली थाना क्षेत्र के तुर्कहिया निवासी नन्दीश्वरदत्त ओझा, आर्य समाजी ओम प्रकाश आर्य द्वारा महंथ गिरजेश दास को धमकियां दी जा रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।